NALANDA OPEN UNIVERSITY

Main Examination, 2007

B.A. Hindi Honours

Part-I (Paper-I)

Full Marks: 70

Time: 3.00 Hrs.

Answer five questions.

पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. पठित पाठ के आधार पर कबीर के आध्यात्मिक विचारों का वर्णन करें।
2. कबीर का काव्यत्मक परिचय दें।
3. "नागमती का विरह-वर्णन हिन्दी साहित्य में एक अद्वितीय वस्तु है।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं, लिखिए।
4. सूफी प्रेमाख्यानक परंपरा में जायसी का स्थान निरूपित कीजिए।
5. गोस्वामी तुलसीदास का कवित्व अप्रतिम है, कैसे ? स्पष्ट कीजिए।
6. "अयोध्याकांड" को रामचरितमानस का हृदयस्थल क्यों कहा जाता है ?
7. विद्यापति प्रेम और सौन्दर्य के कवि थे, प्रकाश डालिए।
8. "भ्रमरगीत" के आधार पर कृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।
9. बिहारी का साहित्यिक परिचय दीजिए।
10. किन्ही दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

(क) मोकों कहाँ ढूढें बन्दे, मै तो तेरे पास में।
न मैं देवल ना मैं मसजिद, ना काबे कैलास में ॥

(ख) पिउ सो केहउ संदेसड़ा, हे भौंरा। हे काग।
सो धनि विरहै जरि मुई, तेहिक धुआं हम्ह लाग ॥

(ग) नहिं परागु नहिं मधुर मधु, नहिं विकास इहिं काल
अली कली ही सौं बहयौ, आगे कौन हवाल ॥

(घ) या अनुरागी चिन्त की गति समुझै नहिं कोई।
ज्यौं ज्यौ बूड़ै स्याम रंग, त्यौं त्यौं उज्जल, होई ॥

(ङ) करिया बादल जी डेखाए।
भूरे बादल पानी लावे॥

(च) कॉध कुदारी खुरपी हाथ, लाठी हँसुआ राखै साथ।
काटे घास औ खेत निरावै, सो पूरा किसान कहावै॥

NALANDA OPEN UNIVERSITY

Main Examination, 2007

B.A. Hindi Honours

Part-I (Paper-II)

Time: 3.00 Hrs. **Full Marks: 70**

खण्ड-क

1. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए: 10 X 2 = 20

(क) 'भारत-भारती के अतीत खंड का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

(ख) 'आँसू' काव्य की विशेषताएँ बताइए।

(ग) निराला की साहित्य-साधना का परिचय दीजिए।

(घ) 'तप रे मधुर मन' कविता का भाव स्पष्ट कीजिए।

(ङ) महादेवी वर्मा के काव्य में व्यक्त बौद्ध-दर्शन की विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 7½ X 2 = 15

(क) हम कौन थे क्या हो गए हैं और क्या होंगे अभी,
आओ विचारें आज मिलकर ये समस्याएँ सभी ।

(ख) जो घनीभूत पीड़ा थी, मस्तक में स्मृति सी छायी
दुर्दिन में आँसू बनकर वह आज बरसने आयी ।

(ग) धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका ।

(घ) मैं नहीं चाहता चिर सुख
मैं नहीं चाहता चिर दुख
सुख-दुख की खेल मिचौनी
खोले जीवन अपना मुख ।

(ड़) चकित करके दृष्टि को
उसने लिया यों खींच,
केन्द्र ज्यों बनता नयन का
इन्दु नभ के बीच ।

खण्ड-ख

3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर दीजिए : 10 X 2 = 20

(क) माखनलाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीयता का स्वरूप क्या है ? विवेचन कीजिए।

(ख) 'प्रणति' शीर्षक कविता का अभिप्राय क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'सूनी-सी साँझ एक' का भावार्थ लिखिए।

(घ) हरिवंश राय बच्चन की काव्य साधना पर प्रकाश डालिए।

(ड़) 'मधुशाला' के मूल कथ्य पर प्रकाश डालिए।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: 7½ X 2 = 15

(क) काली तू रजनी भी काली, शासन की करनी भी काली
काली लहर कल्पना काली, मेरी काल कोठरी काली ।

(ख) कलम, आज उनकी जय बोल ।
जला अस्थियाँ बारी-बारी,
छिटकायी जिनने चिनगारी,
जो चढ़ गये पुण्य-वेदी पर लिए बिना गरदन का मोल ।

(ग) सूनी-सी साँझ एक
दबे पाँव मेरे कमरे में आयी थी ।
मुझको भी वहाँ देख
थोढ़ा सकुचायी थी ।

(घ) एक बार बस मधुशाला के
आगे से होकर निकले
देखूँ कैसे थाम न लेती,
दामन उसका मधुशाला ।

(ड़) किस्मत में था खाली खप्पर,
खोज रहा था मैं प्याला,
ढूँढ़ राह था मैं मृगनयनी,
किस्मत में थी मृगछाला ।